केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 59 शनिवार 19 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

संतकबीरनगर समेत पांच जिलों में टेक्सटाइल पार्क बनाने की तैयारी

लखनऊ (आभा)। मऊ, कानपुर और सीतापुर समेत यूपी के पांच जिलों में संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क विकसित किए जाने की तैयारी है। कपड़ा उद्यमियों ने यूपी में निवेश की इच्छा जताई है। इसको लेकर हस्तशिल्प, खादी एध्वं वस्त्रोद्योग विभाग ने इसके लिए भूमि चिह्नित कर ली है। अगले महीने होने वाली कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव रनखा जाएगा। पांच अन्य जिलों में पहले से ही यह पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना के तहत मऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, सीतापुर तथा रायबरेली में टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। इन जिलों में बंद कताई मिलों की भूमि इसके लिए चिह्नित की गई है। भूमि यदि कम पड़ेगी तो अतिरिक्त भूमि का

इंतजाम किया जाएगा। इन जिलों के जिलाधिकारी से भूमि की पैमाइश कराकर वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि टेक्सटाइल पार्क के दायरे का निर्धारण किया जा सके। चिह्नित जिलों में हस्तशिल्प एवं वस्त्रोद्योग विभाग कपड़ा उद्यमियों के मुताबिक आधारभूत ढांचा विकसित करेगा। पार्क विकसित हो जाने के बाद निवेशकों को भूमि आवंटित की जाएगी।

हथकरघा, खादी एवं वस्त्रोद्योग विभाग के अधिकारियों के मुताबिक निवेशकों ने प्रदेश के टेक्सटाइल पार्कों में दिलचस्पी दिखाई है। पहले से विकसित किए जा रहे टेक्सटाइल पार्क में कई ने निवेश की इच्छा जताई है। अहमदाबाद, सूरत, मुंबई के ऐसे उद्यमी यहां निवेश करना चाहते हैं, जिनके उत्पाद खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड तक आपूर्ति किए जाते हैं। प्रदेश में सस्ता श्रम तथा उद्योग अनुकूल माहौल मिलने के कारण निवेश करना चाहते हैं। साथ ही बाजार में कम लागत और कम समय में उत्पादों की आपूर्ति की जा सकेगी। दूसरा पहलू यह भी है कि गुजरात, महाराष्ट्र में ज्यादा इकाइयां होने के नाते पर्याप्त वर्किंग स्पेस नहीं मिल रहा है। औद्योगिक भूखंड की मांग को देखते हुए पांच नए जिलों में संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

वाराणसी के रमना में 75 एकड़, अमरोहा में 78 एकड़, बरेली के बहेड़ी में 80 एकड़, संतकबीर नगर के मगहर में 50 एकड़ तथा बिजनौर के नगीना में 53 एकड़ क्षेत्रफल में टेक्साइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

पूर्व विधायक राम ललित चौधरी का निधन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । रुधौली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राम ललित चौधरी (66) का गुरुवार रात लखनऊ के वेदांता अस्पताल में निधन हो गया। करीब 15 दिन पहले वे फिसलकर गिर गए थे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान पूर्व विधायक की मौत की खबर मिलते ही घर के बाहर लोगों ने जुटना शुरू कर दिया।

सतत अभ्यास, लगन और श्रम की प्रेरणा देते हैं भगवान विश्वकर्मा–महेन्द्रनाथ यादव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर विश्वकर्मा जयन्ती उल्लास पूर्वक मनाया गया। विधि विधान से पूजन, अर्चन के साथ आयोजित गोष्ठी में सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमें सतत अभ्यास, लगन और श्रम की प्रेरणा देते हैं। भगवान विश्वकर्मा सृजन के आदि देव माने जाते हैं जिन्होंने अपने महानतम कर्म से स्वर्णिम इतिहास रचा। विश्वकर्मा एक आदर्श एवं उच्चकोटि के शिल्पी ही नहीं वरन आदि अभियंता हैं। महेन्द्रनाथ ने कहा कि यह संयोंग ही है कि इसी दिन ई.वी. रामासामी नायकर 'पेरियार' की भी जयन्ती है जिन्होने अपने विचारों से गरीबों, दलितों की उपेक्षा पर सवाल खड़ा करते हुये नयी दिशा निर्धारित किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, हरे श्याम विश्वकर्मा, वैजनाथ शर्मा, राजेन्द्र चौरसिया, आर.डी. निषाद, अम्बिका

प्रसाद विश्वकर्मा, साहबदीन, कैलाश चन्द्र शर्मा, मनीष शर्मा, मो. सलीम, उदयराज विश्वकर्मा , निजामुद्दीन, आदि ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार ज्ञान का उपयोग करके भगवान विश्वकर्मा ने विष्णु भगवान के लिए सुदर्शन चक्र, शिवजी के लिए त्रिशूल, इंद्र के लिए विजय नामक रथ एवं पुष्पक विमानों का निर्माण किया। जिसे आधुनिक भाषा में क्रमशः प्रक्षेपास्त्र तथा आकाशयान कहते हैं। कहा कि जो लोग निष्ठा से निर्माण क्षेत्र में परिश्रम करते हैं ऐसे अभियन्ता, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा को विधि विधान से पूजते हैं।

इस अवसर पर विजय विक्रम आर्य, श्री प्रकाश शर्मा, राजू शर्मा, सुभाष सोनी, ब्रम्हानन्द शर्मा, विश्वम्भर शर्मा, रघुनन्दन साहु, संजय शर्मा, गुड्डू शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, राजू शर्मा, रामखेलावन, अशोक विश्वकर्मा, श्यामजी विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, बद्रीनाथ शर्मा, जोखूलाल यादव, रामभवन यादव, नितराम चौधरी, मंशाराम कन्नौजिया, अमित गौड़, अरविन्द सोनकर, मो. युनूस आलम, श्री प्रकाश शर्मा, सीताराम चौहान, गुलाम गौस खां, अरविन्द जायसवाल, के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर समाजवादियों ने किया बाबू शिवदयाल चौरसिया को नमन्

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को उनके पुण्यतिथि पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष विधायक महेन्द्रनाथ यादव के साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबू शिवदयाल चौरसिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के जीवन से नई पीढी प्रेरणा ले। उन्होने वंचितों, शोषितों और समाज के कमजोर लोगों को उनका हक दिलाने के लिये विपरीत हालातों में संघर्ष किया। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र के स्वतंत्रता सेनानी एवं गार्ड ऑफ ऑनर सम्मान से सम्मानित रामफेर चौरसिया और रामनगर , रुधौली विधानसभा से कई बार के विधायक और योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे राम ललित चौधरी के निधन पर मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बाबू शिवदयाल चौरसिया ने पिछड़ों के आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक एवं राजनैतिक उत्थान के लिये आजीवन संघर्ष किया। अपने जीवन काल में उन्होंने कई संगठन भी बनाये तथा कई बड़े सम्मेलन का आयोजन किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिये।

सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', राजेन्द्र चौरसिया, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, अरविन्द गोंड़, विजय विक्रम आर्य, गीता भारती, राजाराम यादव, मो. सलीम, अमित गोंड़, जमील अहमद, निजामुद्दीन, समीर चौधरी, जावेद पिन्डारी, रामशंकर निराला, संजय गौतम, अखिलेश यादव, रामशंकर चौरसिया, शकुन्तला चौरसिया, मो. हारिश, पिन्टू चौरसिया, विपिन त्रिपाठी, अजय यादव, ज्ञानी चौरसिया, बैजनाथ चौरसिया, वृजेन्द्र जायसवाल, रामस्वारथ चौरसिया आदि ने कहा कि शिव दयाल सिंह चौरसिया ने राष्ट्रीय स्तर पर तमाम जरूरतमंद

गरीबों, दलितों ,शोषित समस्त पिछड़े वर्गों को सामाजिक,आर्थिक,शैक्षिक और राजनैतिक रूप से जागरूक करने का कार्य किया। 1929 में श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी ने "बैकवर्ड क्लासेस लीग" की स्थापना की । 18 सितम्बर 1995 को श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी हमेशा हमेशा के लिए चिरनिद्रा में सो गये। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक रामकरन चौरसिया ने कहा कि बाबू शिवदयाल को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि पी.डी.ए. को मजबूत करने के साथ ही समाजवादी पार्टी और विचारधारा को जन–जन में मजबूत किया जाय।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये मिथलेश चौरसिया ने कहा कि बाबू शिवदयाल चौरसिया अपने समय के कानूनविद, क्रन्तिकारी, समाज सुधारक, पिछड़ों, शोषितों के हित चिंतक थे। उन्होंने डॉ अम्बेडकर और कांशीराम के सानिध्य में रहकर वंचितों की लड़ाई लड़ी। वकालत के दौरान उन्होने कमजोर वर्गों को निःशुल्क न्याये दिलाने के लिये सेन्ट्रल लीगल एन्ड सोसायटी की स्थापना 1953 में की थी। अपने संसदीय काल में उन्होंने संविधान में संशोधन कराकर लोक अदालत का मार्ग प्रशस्त कराया।

पुण्य तिथि पर शिव दयाल सिंह चौरसिया को नमन् करने वालों में मयंक चौरसिया, लक्ष्मन चौरसिया, अरविन्द सोनकर, ज्ञानी चौरसिया, सुखराम चौरसिया, राजेश चौरसिया, शकुन्तला चौरसिया, पिन्टू चौरसिया, दीनानाथ, रामकरन, राजेन्द्र जगनरायन चौरसिया, रामपाल चौरसिया, रामजग चौरसिया, मेहीलाल चौरसिया, अंकित, चौरसिया,विजय चौरसिया, शिवम चौरसिया, सुदीप, मनोज, मिठ्ठ, जितेन्द्र चौरसिया, रामस्वरूप चौरसिया, रामनाथ चौरसिया, बेचन चौरसिया, सुभाष चौरसिया, रमेश, कमला प्रसाद, राम किशोर चौरसिया, अशोक, रामपति चौरसिया, सन्तराम चौरसिया, सन्तोष चौरसिया, चन्दन, शिवपूजन चौरसिया, प्रमोद, अजय चौरसिया, के साथ ही सपा के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मारपीट, धमकी मामले में मुकदमा दर्ज निष्पक्ष जांच, प्रभावी कार्यवाही की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के पिपरपाती निवासी मनोज कुमार पुत्र रामबिलास की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट, चोट पहुंचाने, मोबाइल व नकदी ले जाने, वाहनों में तोड़फोड़ और धमकी समेत कई आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। घटना 12 सितम्बर की रात करीब नौ बजे की है। मनोज का आरोप है कि चंदन उर्फ अंकुर चौधरी पुत्र चंद्रशेखर चौधरी ने फोन पर उसके साथ अभद्रता की। इसकी शिकायत करने पर चंद्रशेखर चौधरी ने मनोज को अपने घर बुलाया और बेटे को समझाने की बात कही। आरोप है कि मनोज बातचीत के लिए वहां पहुंचा ही था कि अंकुर चौधरी अपने साथियों के साथ पहुंच गया। इसके बाद चंद्रशेखर चौधरी समेत नामजद लोगों और करीब 25 अज्ञात व्यक्तियों ने लाठी–डंडों और हकी से मारपीट शुरू कर दी। हमले से बचने के लिए वह और उसके साथी वहां से भागने लगे। इसी दौरान उसके साथी अरविंद चौधरी पुत्र अजीत कुमार निवासी अहिरौला, थाना सोनहा के हाथ की उंगली में गंभीर चोट लगी और फ्रैक्चर हो गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान मनोज का मोबाइल फोन और वाहन में रखा बैग भी ले जाया गया, जिसमें करीब दो लाख रुपये नकद और जरूरी दस्तावेज थे।

शिकायतकर्ता ने अपनी फॉर्च्यूनर और महिंद्रा थार में लाठी–डंडों से तोड़फोड़ किए जाने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों वाहनों में लाठी–डंडे और बीयर की बोतलें रखकर वीडियो बनाया गया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया।

मामले में मनोज कुमार ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति को जांच पूरी होने से पहले दोषी नहीं ठहराया जा रहा है। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस और कानून की प्रक्रिया पर भरोसा है और सीसीटीवी, सीडीआर, मेडिकल रिपोर्ट तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों से घटना की वास्तविकता सामने आनी चाहिए।

शिकायतकर्ता ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने, वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की पहचान कराने तथा संबंधित मोबाइल नंबरों की वैधानिक प्रक्रिया के तहत ब्क्त और अन्य तकनीकी जांच कराने की मांग की है। घायल अरविंद की मेडिकल रिपोर्ट और फ्रैक्चर से जुड़े दस्तावेज विवेचना में शामिल करने के साथ कथित रूप से ले जाए गए मोबाइल, नकदी और दस्तावेजों की बरामदगी की मांग भी की गई है। दोनों वाहनों में हुई क्षति का निरीक्षण और उसका मूल्यांकन कराने का अनुरोध भी पुलिस से किया गया है। पुलिस ने मामले में बीएनए की धारा 115(2), 117(2), 191(2), 303(2), 324(5), 351(3), 352 और 356 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कांग्रेस ने बिजली कटौती को लेकर सौपा ज्ञापन, यूपीआई में शुल्क के विरोध में चलाया जागरूकता अभियान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शुक्रवार को कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में बिजली संकट, अघोषित कटौती आदि के सवाल को लेकर मुख्य अभियन्ता विजय कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि विद्युत कटौती तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाय। मुख्य अभियन्ता ने कांग्रेस पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर कटौती का संकट दूर करा लिया जायेगा। कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने चेतावनी दिया कि यदि एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान न हुआ तो पार्टी जनहित के सवालों को लेकर आन्दोलन को बाध्य होगी। इसी कड़ी में प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर कांग्रेस नेताओं ने यूपीआई के भुगतान में चार्ज लिये जाने के विरोध में गांधीनगर बाजार में व्यापारियों को जागरूक करते हुये खतरों से अवगत कराया।

ज्ञापन और यूपीआई के

—नागरिकों पर मंहगाई थोप रही है सरकार—विश्वनाथ चौधरी

भुगतान में चार्ज लिये जाने के सवाल को लेकर जागरूकता अभियान के बाद जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार जनहित के सवालों को लेकर पूरी तरह से संवेदनहीन है। अमेरिकी दबाव में यूपीआई के भुगतान में चार्ज लिये जाने से पहले से ही मंहगाई की मार का सामना कर रहे नागरिकों के समक्ष एक नया संकट खड़ा हो जायेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, डा. दीपेन्द्र सिंह, डा. वाहिद अली सिद्दीकी शहर अध्यक्ष शौकत अली नन्हू आदि ने कहा कि ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था आज आम जनता, छोटे व्यापारियों, पटरी दुकानदारों और रोज कमाने–खाने वालों के लिए लेनदेन का जरूरी जरिया बन गई है। डिजिटल भुगतान से जुड़े शुल्क में बढ़ोतरी से व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पडेगा। महंगाई के इस दौर में आम जनता और छोटे कारोबारी पहले से ही आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं। ऐसे में डिजिटल भुगतान से जुड़े किसी भी अतिरिक्त शुल्क का असर व्यापार और उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। सरकार इस जन विरोधी निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस ले।

मुख्य अभियन्ता विद्युत को ज्ञापन सौंपने और यूपीआई के भुगतान में चार्ज लिये जाने के सवाल को लेकर जागरूकता अभियान के दौरान मुख्य रूप से ई. राज बहादुर निषाद, अमरदेव सिंह, शिव विभूति मिश्र, संजीव त्रिपाठी, शेर मोहम्मद, राहुल चौधरी, सर्वेश शुक्ल, सोमनाथ संत, फजले आजम, लालजीत पहलवान, शोभित चौधरी, नीशान्त श्रीवास्तव, आनन्द निषाद, रामचन्द्र चौहान, चन्द्र प्रकाश के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये बाबू शिवदयाल चौरसिया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कचहरी परिसर के निकट में बाबू शिव दयाल सिंह चौरसिया पूर्व राज्यसभा सांसद को उनकी पुण्यतिथि पर चौरसिया समाज द्वारा उन्हें याद करने के साथ ही उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये जनहित किसान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राम प्रसाद चौरसिया ने कहा कि सामाजिक न्याय, दलित पिछड़ों, शोषितों, के पुरोधा बैकवर्ड लीक के संस्थापक व लोक अदालत के जनक गरीबों के महानायक को लोग भूल गए अब हम सबको उनके बताए पद चिन्हों पर चलकर समाज को ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत है। देश में मौजूद सभी राजनीतिक पार्टियों ने मिलकर हमारे समाज को पीछे छोड़ने का काम किया है। अब हम लोगों को जरूरत है एक जुट होकर हुंकार भरने की जिससे हमारा समाज भी राजनीतिक, सामाजिक भागीदारी हासिल करे यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कहा कि बदलते परिवेश में चौरसिया समाज को राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिदृश्य, के लिए एक जुटता बनाए रखनी होगी

पार्टी के जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौरसिया ने कहा कि बाबू शिव दयाल सिंह चौरसिया समाज के ऐसे पुरोधा रहे जिन्होंने शिक्षा, पिछड़ापन, छुआ छूत व भेद भाव के सवालों को

—सामाजिक न्याय के पुरोधा थे बाबू शिवदयाल—राम प्रसाद चौरसिया

लेकर जीवन भर संघर्ष किया । कहा कि राजनीतिक भागीदारी और शिक्षा से ही समस्याओं का हल निकलेगा। अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में कोताही न करें। कार्यक्रम में चौरसिया समाज के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षेत्र में योगदान एवं स्थिति तथा राजनीतिक एकजुटता पर विचार विमर्श कर निर्णय लिये गये।

कार्यक्रम को बैजनाथ चौरसिया, शिव कुमार चौरसिया, आलोक चौरसिया, संदीप कुमार, रामभेज यादव, लक्ष्मीकान्त मौर्य, अमित चौरसिया, सुरेन्द्र कुमार चौरसिया, आनन्द प्रकाश चौरसिया, चन्द्र प्रकाश चौरसिया, पतिराम आजाद आदि ने संबोधित करते हुये कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह ने चौरसिया समाज को एक जुट करने की दिशा में जो कार्य किया उसे आगे बढाने की जरूरत है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि बदलते परिवेश में चौरसिया समाज को अपने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिदृश्य के लिये एक जुटता बनाये रखनी होगी। संचालन अनिल कुमार चौरसिया ने किया। बाबू शिव दयाल सिंह चौरसिया के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करने वालों में मुख्य रूप से रिंकू चौरसिया, आनंद किशोर चौरसिया, चंद्र प्रकाश चौरसिया, अनिल प्रजापति, राम नरेश चौहान, अखिलेश चौरसिया, विकास चौरसिया, श्याम नारायण चौरसिया, धर्मेंद्र चौरसिया, किशोर कुमार गुप्ता, अमरनाथ, संजय कुमार चौरसिया, अनिल प्रजापति, ब्रम्हानन्द विश्वकर्मा, दीपक पाल के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये पत्रकार अनिल श्रीवास्तव, योगदान पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि वर्तमान समय अवसरवाद का समय है लोग अपने लिए व्यक्तिगत संसाधनों को एकत्र करने के लिए परेशान है आये दिन अत्याधिक लालच के लिए खुद को जला रहे है जबकि अनिल कुमार श्रीवास्तव उस परिस्थिति में भी निःस्वार्थ भावना से समाज और पत्रकारिता के लिए समर्पित रहे।

शुक्रवार को प्रेस क्लब के सभागार में पूर्वाचल के वरिष्ठ पत्रकार स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में उनके छठवीं पुण्यतिथि पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि समाज के नवनिर्माण में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है पत्रकार समाज को हमेशा सही दिशा देता है और लोगों को सही राह दिखाता है निःपक्षता और जनहित कीरक्षा करना पत्रकारिता का मूल उद्देश्य है और ये सभी गुण स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव में समाहित था वो रातदिन पत्रकारिता और समाज के लिए समर्पितरहते थे उन्होंने खुद को काफी सादगी पूर्ण रखा इसके कारण उनको जीवनमें कभी भी अपने लक्ष्यों के लिए किसी

समस्या का सामना नही करना पड़ा। आज उनके व्यक्तित्व को आदर्श माना जाता है देखा जाय तो आदर्श पत्रकार औरपत्रकारिता के लिए स्व0 अनिल श्रीवास्तव जैसा दूसरा अनुपम उदाहरण शायद ही कही देखने को मिले। उन्होंने कहा कि सरलता और सादगी को अपनाकर एक बहुतबड़ा व्यक्तित्व का निर्माण अनिल श्रीवास्तव ने किया है था।

गोष्ठी का `सम्बोधित करते हुए गौसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने कहा किअनिल श्रीवास्तव जैसा व्यक्तित्व बहुत ही कम लोगों का होता है उनका आचरण अत्यन्त ही पवित्र था उनके जीवन में राष्ट्र सर्वोपरि था वे न्याय के पक्षधर थे और उन्होंने अपना जीवन पत्रकारिता एवं समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया उनके द्वारा लगाये गये हजारों हजार पेड़ आज वटवृक्ष के रूप में समाज की सेवा कर रहे है, तमाम युवा और नवदित पत्रकार उनको अपना आदर्श मानकर

अपने पत्रकारिता के लक्ष्य को अच्छे प्राप्त कर सकते है। गोष्ठी को पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार जयन्त कुमार मिश्र, कृष्णदेव मिश्र, रामकृष्ण लाल जगमग, विनोद कुमार उपाध्याय, विशाल पाण्डेय, पुनीत दत्त ओझा, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, मजहर आजाद, डा0 दशरथ प्रसाद यादव, जगदीश शुक्ला, प्रियंका श्रीवास्तव, विधायक महेन्द्र नाथ यादव, डा0 सत्यव्रत दिवेदी, डा0 रामनरेश सिंह मंजुल, डा0वी0के0 वर्मा, कृपाशंकर भट्ट, बौद्ध अरविन्द सिंह पटेल, राजेश पाण्डेय, सलीम बस्तवी अजीजी, गरिमा श्रीवास्तव, आलोक मणि त्रिपाठी, प्रकाश चन्द्र गुप्ता,डा0 देवन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहित अन्य लोगों ने भी सम्बोधित किया। श्री श्रीवास्तव की स्मृति में अजीत श्रीवास्तव, वशिष्ठ पाण्डेय, संतोष श्रीवास्तव, जयप्रकाश उपाध्याय, वृहस्पति कुमार पाण्डेय, सौरव श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, रामकुमार, मुकेश श्रीवास्तव, प्रमोद उपाध्याय, लवकुश सिंह, राकेश चौरसिया, प्रवीण पाण्डेय, अवनीत श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव ने रक्तदान किया तथा निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प में 361 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यकतानुसार 230 व्यक्तियों को दवा वितरण किया गया। अनिल कुमार श्रीवास्तव सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के मेधावियों को पुंरस्कार वितरण किया गया।

कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र चौधरी, अंकुर वर्मा, स्कन्द शुक्ला, सुरेन्द्र पाण्डेय, सरदार कुलवेन्द्र मजहवी, रमेश मिश्रा, दिनेश पाण्डेय, संध्या दीक्षित, रामआधार पाल, अर्चना श्रीवास्तव, संदीप गोयल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, गौरव श्रीवास्तव, अंशुल आनन्द, दिनेश सिंह, ब्रहमदेव पाण्डेय, डा0 नवीन सिंह, अश्वनी शुक्ला, आनन्द कुमार गुप्ता, प्रियंका पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, राकेश गिरि, अमित सिंह, दिलीप सिंह, सुनील कुमार मिश्र, सुरेश सिंह गौतम, पप्पू श्रीवास्तव, सीपी पाण्डेय,रजनीश त्रिपाठी, धमेन्द्र पाण्डेय, जीशान हैदर रिजवी, सर्वेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र उपाध्याय, अमन श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, महेश चन्द्र मौर्य, देवी प्रसाद श्रीवास्तव, शिवराज सिंह, अपूर्व शुक्ला, संतोष त्रिपाठी, पण्डित देवेश मिश्र, दिनेश श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, संदीप मद्धेशिया, अभिषेक श्रीवास्तव, श्रवण पटवा, प्रमोद श्रीवास्तव, इमरान अली, वसीम अहमद, अर्जुन उपाध्याय सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार उपाध्याय तथा अतिथियों का स्वागत आलोक कुमार श्रीवास्तव एवं अनुराग श्रीवास्तव ने किया।

डा. मारूफ अली अल्पसख्यक विभाग सलाहकार नामित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी चेयरमैन और सांसद इमरान प्रतापगढी ने अल्पसंख्यक विभाग उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव डा. मारूफ अली को अल्पसख्यक विभाग यूपी का सलाहकार नामित किया है।

डा. मारूफ अली को अल्पसख्यक विभाग का सलाहकार नामित किये जाने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पूर्व विधायक अम्बिका सिंह,

पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', बाबूराम सिंह, प्रशान्त पाण्डेय, भूमिधर गुप्ता, डा. आलोक रंजन वर्मा, देवेन्द्र श्रीवास्तव, जयन्त चौधरी, मो. रफीक खा, ब्रजेश आर्य, राकेश पाण्डेय, गिरजेश पाल, अनिल भारती, अतीउल्ला सिद्दीकी, सद्दाम हुसेन, अलीम अख्तर, शमसुद्दीन, डा. बदरे आलम, डा. मो. हुसेन, सरवर अली अंसारी, नियाज अहमद, शौकत अली नन्हू, डा. जमील अहमद, जलाल अहमद, रियाज अहमद खान, अतीत अहमद, मो. हाशिम के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 सितम्बर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

अमेरिका की मनमानी

कुछ समय की नरमी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर से आर्थिक मोर्चे पर अपनी मनमानी का रुख अख्तियार कर लिया लगता है। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि मौजूदा भू–राजनीतिक दौर में जब दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, अमेरिका आखिर क्यों यह चाहता है कि कोई देश उसके प्रभाव में खुद को समेट कर रखे और दूसरी ओर न देखे, भले ही इस क्रम में उसे अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर होना पड़े। यह बेवजह नहीं है कि उसकी मनमर्जी को ज्यों का त्यों स्वीकार करने के बजाय कुछ देश अब अपना वैकल्पिक रास्ता भी तैयार रखना चाहते हैं। भारत भी वैसे देशों में एक है, जिसे अमेरिका ने पिछले साल शुल्क दरें बढ़ा कर अपने प्रभाव में लाने और वहीं सीमित रखने की कोशिश की थी, लेकिन भारत ने अपने विवेक का सहारा लेकर वैकल्पिक मोर्चे तैयार रखे और इसी वजह से उसे विपरीत हालात से निपटने में मदद भी मिली। मगर यह भी सच है कि जिन चुनौतियों से सहजता के साथ निपटा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उनसे पार पाने में अतिरिक्त ऊर्जा और संसाधन खर्च करने की जरूरत पड़ती है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद शुल्क लगाने की ओर कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने के साथ–साथ भारत और चीन जैसे उसके तेल एवं गैस के व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' विधेयक पारित किया है। अमेरिकी सीनेट इसे पिछले महीने ही पारित कर चुकी है। ट्रंप अगर इस पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो उसके बाद यह कानून बन जाएगा।

यानी ट्रंप के हाथ अब एक ऐसा हथियार है, जिसके जरिए वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब चाहें, शुल्क–युद्ध शुरू कर सकते हैं या उसे किसी खास देश को अपने प्रभाव में लाने के लिए इस्तेमाल में ला सकते हैं। पिछले साल अगस्त में भी अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के सवाल पर भारत पर पचास फीसद तक का शुल्क लगा दिया था, लेकिन एक व्यापारिक समझौते के तहत अतिरिक्त शुल्क को फरवरी 2026 में हटा लिया गया था।

अब फिर से इस बात की आशंका खड़ी हो रही है कि अमेरिका में अगर यह कानून अमल में आ जाता है, तो वह रूस से तेल खरीद के सवाल पर भारत और चीन पर नए सिरे से शुल्क लगाने और अपनी मनमानी थोपने की कोशिश कर सकता है। हालांकि भारत ने इस बार यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अमेरिका की मनमर्जी के प्रभाव में आने के बजाय अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अपने व्यापार तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी 'जरूरी कदम' उठाएगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत स्रोतों में विविधता लाने और बदलती बाजार परिस्थितियों के मुताबिक अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करता रहेगा। पिछले कुछ सालों के दौरान रूस से कच्चे तेल की खरीद में भारत ने काफी बढ़ोतरी की है। जाहिर है, शुल्क लगाने की धमकी देकर अमेरिका अगर भारत को दायरे में समेटने की कोशिश कर रहा है, तो नई परिस्थितियों में शायद यह मुश्किल होगा। खासतौर पर नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद भारत के सामने संभावनाएं और विकल्प के नए रास्ते खुल रहे हैं। ऐसे में बेहतर हो कि अमेरिका अपनी शुल्क–नीति के सहारे टकराव के नए मोर्चे खोलने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का साझीदार बने।

लैंगिक समानता के यक्ष प्रश्न

किसी भी समाज में लैंगिक समानता विकास का महत्त्वपूर्ण आधार होती है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीतिक भागीदारी और आर्थिक अवसरों में पुरुषों के समान अवसर मिलना केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि यह देश की आर्थिक प्रगति से भी जुड़ा है। इसके बावजूद भारत लैंगिक समानता के मामले में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच की ओर से को जारी वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक–2026 में भारत 131वें स्थान पर बरकरार रहा। कुल 145 देशों की सूची में भारत से नीचे केवल 14 देश हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति में अभी सुधार की कितनी गुंजाइश है। अहम सवाल यह है कि जब भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है, तो लैंगिक समानता की कतार में वह पीछे क्यों खड़ा है? विकास का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज में संसाधनों और सुविधाओं के बंटवारे में संतुलन तथा व्यवस्था में समान भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

सूचकांक की रिपोर्ट में कहा गया है कि लैंगिक समानता की दिशा में भारत की प्रगति 64.5 फीसद रही, लेकिन यह वैश्विक औसत से कम है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में अंकों में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन देश की वैश्विक रैंकिंग पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कुल मिलाकर वर्ष 2006 के बाद से भारत में लैंगिक समानता में 4.3 फीसद अंकों की बढ़ोतरी हुई है। भारत की स्थिति को समझने के लिए यह देखना भी जरूरी है कि समस्या केवल महिलाओं की शिक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में देश ने प्रगति की है, लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच अभी भी बड़ा अंतर है। आर्थिक भागीदारी एवं अवसर उप सूचकांक में भारत को समानता के मामले में 41.2 फीसद अंक मिले हैं। पिछले सूचकांक की तुलना में इसमें 0.5 फीसद का सुधार हुआ है, लेकिन वर्ष 2013 में मिले सबसे अच्छे परिणाम से यह 3.5 फीसद अंक कम है।

देश में सबसे बड़ी चुनौती महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं घरेलू जिम्मेदारियों के कारण रोजगार से बाहर रह जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो महिलाओं का काम अक्सर कृषि और पारिवारिक गतिविधियों तक सीमित रहता है, जिसका पूरा आर्थिक मूल्य भी उन्हें नहीं मिल पाता। एक और समस्या आय का अंतर है। समान स्तर के काम के बावजूद महिलाओं की औसत आय पुरुषों की तुलना में कम रहने की समस्या अब भी बनी हुई है। इसका अर्थ है कि शिक्षा हासिल करने के बावजूद महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और संसाधनों तक समान पहुंच अभी नहीं मिली है।

रिपोर्ट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि भारत में पिछले दो दशकों में श्रमिक कार्यबल में भागीदारी की समानता में मामूली सुधार हुआ है और वर्ष 2026 में यह 44.1 फीसद रहा। महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसरों का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। जो महिलाएं शिक्षा और पेशेवर क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, शीर्ष पदों पर उनकी तैनाती बहुत कम हो पाती है। इसलिए जरूरी है कि उन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर किया जाए, जिनके कारण यह अंतर बना हुआ है।

मनी लॉन्ड्रिंग अपराध की काली कमाई को सफेद करने का खेल

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

मनी लॉन्ड्रिंग अर्थात धनशोधन आज केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और अवैध व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय आधार बन चुका है। सामान्य शब्दों में कहें तो मनी लॉन्ड्रिंग वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से अपराध से अर्जित धन के वास्तविक स्रोत को छिपाकर उसे वैध अथवा कानूनी रूप से अर्जित धन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। अपराधी जानते हैं कि केवल अवैध तरीके से धन कमाना पर्याप्त नहीं हैय उस धन को ऐसी व्यवस्था में शामिल करना भी आवश्यक है, जिससे उसकी वास्तविक उत्पत्ति का पता लगाना कठिन हो जाए। यही कारण है कि आधुनिक वित्तीय व्यवस्था में धनशोधन की चुनौती लगातार जटिल होती जा रही है। मनी लॉन्ड्रिंग की प्रक्रिया को सामान्यतः तीन प्रमुख चरणों में समझा जाता हैकृप्लेसमेंट, लेयरिंग और इंटीग्रेशन। पहले चरण में अपराध से प्राप्त धन को वित्तीय व्यवस्था में प्रवेश कराया जाता है। इसे प्लेसमेंट कहा जाता है। उदाहरण के लिए, बड़ी मात्रा में प्राप्त अवैध नकदी को अलग–अलग बैंक खातों में जमा करना, छोटी–छोटी रकम में विभाजित करके लेन–देन करना या नकदी आधारित व्यवसायों के माध्यम से उसे वित्तीय प्रणाली में शामिल करना इसके तरीके हो सकते हैं। अपराधी इस चरण में विशेष रूप से इसलिए सावधानी बरतते हैं क्योंकि यहीं अवैध धन और वित्तीय व्यवस्था के बीच पहला संपर्क स्थापित होता है।

दूसरे चरण को लेयरिंग कहा जाता है। इसका उद्देश्य धन के वास्तविक स्रोत को छिपाना और जांच एजेंसियों के लिए उसके रास्ते को जटिल बनाना होता है। इसके लिए अनेक बैंक खातों, कंपनियों, मध्यस्थ संस्थाओं और वित्तीय लेन–देन का इस्तेमाल किया जा सकता है। धन को एक खाते से दूसरे खाते, एक कंपनी से दूसरी कंपनी अथवा एक देश से दूसरे देश में स्थानांतरित किया जा सकता है। कई बार कागजों पर मौजूद कंपनियों या जटिल व्यावसायिक लेन–देन के माध्यम से धन की ऐसी परतें बनाई जाती हैं कि उसके मूल स्रोत तक पहुंचना कठिन हो जाए। डिजिटल वित्तीय व्यवस्था ने जहां लेन–देन को आसान बनाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन के तेज आवागमन ने अपराधियों के लिए नई चुनौतियों और नए अवसरों दोनों को जन्म दिया है।

तीसरा चरण इंटीग्रेशन अर्थात एकीकरण है। इस चरण में धन को इस प्रकार अर्थव्यवस्था में वापस लाया जाता है कि वह वैध आय या निवेश जैसा दिखाई देने लगे। अपराध से अर्जित धन का इस्तेमाल संपत्ति खरीदने, व्यापार में निवेश करने, कंपनियों में पूंजी लगाने या अन्य वैध आर्थिक गतिविधियों में किया जा सकता है। एक बार धन वैध आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बन जाता है तो उसके आपराधिक स्रोत की पहचान करना और भी मुश्किल हो सकता है। इस प्रकार अपराध से अर्जित धन धीरे–धीरे वैध अर्थव्यवस्था में घुलने लगता है। मनी लॉन्ड्रिंग की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह अपराध और अर्थव्यवस्था के बीच एक खतरनाक पुल का काम करता है। यदि अपराध से प्राप्त धन को आसानी से वैध बनाया जा सके तो अपराधियों को अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। भ्रष्टाचार से अर्जित धन, मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय, अवैध खनन, धोखाधड़ी, तस्करी और संगठित अपराध से जुड़ी कमाई को धनशोधन के माध्यम से छिपाया जा सकता है। इसके कारण अपराध की आर्थिक नींव मजबूत होती है और कानून का शासन कमजोर पड़ता है।

धनशोधन वित्तीय संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं यदि अवैध धन के प्रवाह को पहचानने और रोकने में असफल रहती हैं तो पूरी वित्तीय व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े होते हैं। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर अवैध धन का प्रवाह बाजार में प्रतिस्पर्धा को विकृत कर सकता है। ईमानदारी से कारोबार करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं उन लोगों से पिछड़ सकते हैं, जिनके पास अपराध से अर्जित पूंजी उपलब्ध है। इस तरह धनशोधन केवल कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और वित्तीय स्थिरता का भी प्रश्न है।

भारत ने धनशोधन से निपटने के लिए एक व्यापक कानूनी और संस्थागत ढांचा विकसित किया है। धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 इसका प्रमुख कानूनी आधार है। इस कानून का उद्देश्य अपराध से अर्जित आय की पहचान, जांच, कुर्की और परिस्थितियों के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया को सक्षम बनाना है। यह कानून उन गतिविधियों पर कार्रवाई का आधार प्रदान करता है, जिनके माध्यम से अपराध से प्राप्त संपत्ति को छिपाने, रखने, उपयोग करने या उसे वैध दिखाने का प्रयास किया जाता है।

इस कानून के क्रियान्वयन में प्रवर्तन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रवर्तन निदेशालय धनशोधन से जुड़े मामलों की जांच करता है तथा अपराध से अर्जित संपत्ति का पता लगाने और उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाता है। दूसरी ओर, वित्तीय खुफिया इकाईदृ भारत संदिग्ध वित्तीय लेन–देन से संबंधित सूचनाओं का विश्लेषण करती है। वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त सूचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना धनशोधन विरोधी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वित्तीय संस्थाओं के लिए अपने ग्राहक को जानो अर्थात केवाईसी व्यवस्था भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण उपकरण है। ग्राहक की पहचान और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी से संदिग्ध खातों तथा असामान्य लेन–देन की पहचान में मदद मिलती है। संदिग्ध लेन–देन की रिपोर्टिंग संबंधी दायित्व भी वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाते हैं। हालांकि केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इन नियमों का पालन प्रभावी, समान और तकनीकी रूप से सक्षम तरीके से हो।

धनशोधन की प्रकृति सीमा–पार होने के कारण अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। अपराधी एक देश में धन अर्जित करके दूसरे देश में उसे स्थानांतरित कर सकते हैं और तीसरे देश में निवेश कर सकते हैं। इसलिए भारत को अन्य देशों, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं और संबंधित जांच एजेंसियों के साथ सूचना साझा करने, संदिग्ध लेन–देन का पता लगाने और अवैध संपत्तियों की पहचान करने में सहयोग बढ़ाना होगा। वैश्विक स्तर पर धनशोधन के विरुद्ध सहयोग जितना मजबूत होगा, अपराधियों के लिए वित्तीय व्यवस्था का दुरुपयोग करना उतना ही कठिन होगा।

फिर भी चुनौती समाप्त नहीं हुई है। डिजिटल भुगतान, आभासी संपत्तियां, जटिल कॉरपोरेट संरचनाएं और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन–देन ने धनशोधन के तौर–तरीकों को लगातार बदल दिया है। इसलिए भारत को तकनीक आधारित वित्तीय निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक क्षमताओं का जिम्मेदारी से उपयोग बढ़ाना होगा। साथ ही, जांच एजेंसियों की क्षमता, विशेषज्ञता और विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय को मजबूत करना भी आवश्यक है।

अंततः मनी लॉन्ड्रिंग के विरुद्ध लड़ाई केवल अपराधियों की संपत्ति जब्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य अपराध से होने वाले आर्थिक लाभ को समाप्त करना होना चाहिए। जब अपराधी को यह विश्वास हो जाएगा कि अवैध कमाई को सुरक्षित रूप से वैध धन में बदलना आसान नहीं है, तभी अपराध की आर्थिक संरचना पर प्रभावी प्रहार होगा। मजबूत कानून, सक्षम संस्थाएं, सतर्क वित्तीय प्रणाली, आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोगकृइन सभी के समन्वित प्रयास से ही भारत अपराध की काली कमाई को वैध अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने से प्रभावी रूप से रोक सकता है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

शुल्क की आहट और यूपीआई का भविष्य

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

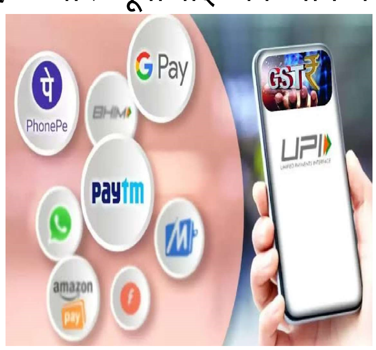

अंततः अमेरिकी दबाव ने असर दिखायाकृयह निष्कर्ष आकर्षक जरूर है, लेकिन 14 सितंबर की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना को समझने के लिए थोड़ी सावधानी जरूरी है। अधिसूचना ने छ2,000 तक के यूपीआई लेन–देन और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क लगाने से बैंकों और भुगतान–प्रणाली प्रदाताओं को रोक दिया है। परंतु छ2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर तत्काल कोई उपभोक्ता शुल्क लागू नहीं किया गया हैय अधिसूचना ने केवल बड़े लेन–देन पर भविष्य में शुल्क या एमडीआर की संभावना के लिए रास्ता खुला छोड़ा है।

फिर भी चिंता वास्तविक है। क्योंकि नीतियों का असर केवल उस शब्द से नहीं समझा जाता जो अधिसूचना में लिखा हैय यह भी देखना पड़ता है कि उसके बाद बाजार का व्यवहार किस दिशा में जाता है। आज शुल्क सीधे ग्राहक से न लिया जाए, कल व्यापारी से लिया जाए और परसों व्यापारी उसे वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में जोड़ देकृतो अंततः भार उपभोक्ता पर ही आ सकता है। आर्थिक व्यवस्था में लागत का कोई भी नया तत्व लंबे समय तक अपने मूल स्थान पर नहीं रहताय वह किसी न किसी रूप में कीमत, कमीशन या सेवा–शुल्क बनकर बाजार में फैल सकता है। सरकार का वर्तमान निर्णय यह नहीं कहता कि छ2,000 से ऊपर का हर यूपीआई भुगतान अब शुल्कयुक्त हो गया है। अधिसूचना का स्पष्ट प्रावधान यह है कि छ2,000 तक के यूपीआई लेन–देन पर बैंक या भुगतान–प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते। बड़े भुगतान के संबंध में न तो कोई निश्चित दर घोषित की गई है और न ही यह कहा गया है कि आम उपयोगकर्ता को तुरंत अतिरिक्त पैसा देना होगा।

लेकिन नीति का संकेत उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका वर्तमान प्रभाव। लंबे समय से यूपीआई पर एमडीआर यानी व्यापारी छूट दर लगाने की चर्चा चलती रही है। एमडीआर वह शुल्क है जो किसी डिजिटल भुगतान को संसाधित करने के लिए व्यापारी या भुगतान–प्रणाली से जुड़े पक्षों के बीच लिया जाता है। यदि भविष्य में छ2,000 से अधिक के व्यापारी भुगतान पर एमडीआर लगाया गया, तो बैंक, भुगतान अनुप्रयोग और भुगतान–संसाधक अपनी लागत वसूलने का प्रयास कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिकों की आशंका शुरू होती है।

सरकार शायद यह तर्क दे सकती है कि छोटे भुगतान गरीब, निम्न–मध्यमवर्गीय और रोजमर्रा के उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहेंगे। यह तर्क अपने आप में समझने योग्य है। चाय, दूध, सब्जी, स्थानीय परिवहन या छोटी दुकान के भुगतान पर शुल्क न लगे, यह डिजिटल समावेशन के लिए महत्वपूर्ण है। मगर प्रश्न यह है कि क्या छ2,000 की सीमा के ऊपर शुल्क लगाने की व्यवस्था बड़े व्यापार तक सीमित रहेगी? और यदि वह सीमित रहेगी, तो इसकी निगरानी कौन करेगा? यह मान लेना कठिन है कि व्यापारी अतिरिक्त लागत को हमेशा अपने मुनाफे से वहन करेगा। बड़े संगठित कारोबार कुछ समय तक भुगतान–प्रसंस्करण की लागत को सह सकते हैं, पर छोटे व्यापारियों के लिए हर शुल्क मायने रखता है। किराना दुकानदार, ऑनलाइन विक्रेता, निजी शिक्षक, चिकित्सक, मरम्मत–कर्मी और छोटे सेवा–प्रदाता अपनी लागत को किसी न किसी रूप में ग्राहक तक पहुंचा सकते हैं।

कल्पना कीजिए कि किसी व्यापारी पर प्रत्येक बड़े यूपीआई भुगतान पर एक प्रतिशत का शुल्क लगता है। वह ग्राहक को कह सकता है कि नकद भुगतान करें या डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त राशि दें, या वस्तु की कीमत में मामूली वृद्धि कर सकता है। ग्राहक को अलग से शुल्क दिखाई न दे, फिर भी वह बढ़ी हुई कीमत के रूप में भुगतान कर सकता है। इसीलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि शुल्क "प्राप्तकर्ता" देगा। प्राप्तकर्ता भी बाजार का हिस्सा है और बाजार में कोई भी लागत अंततः कीमतों में समायोजित हो सकती है।

इससे डिजिटल भुगतान की उस सहजता पर भी असर पड़ सकता है जिसने यूपीआई को भारत के आर्थिक जीवन का सामान्य हिस्सा बना दिया है। आज ग्राहक को यह सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि भुगतान के लिए उसके पास नकद है या कार्ड। मोबाइल और बैंक खाते के सहारे कुछ सेकंड में लेन–देन पूरा हो जाता है। यदि बड़े भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क, असफल लेन–देन, अलग–अलग अनुप्रयोगों की दरें या व्यापारी द्वारा मनमाना अधिभार आने लगे, तो यह भरोसा कमजोर हो सकता है। अमेरिकी कंपनियों और ट्रंप प्रशासन के दबाव का आरोप राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे प्रमाणित तथ्य की तरह प्रस्तुत करने से पहले ठोस दस्तावेज, आधिकारिक बयान और वार्ताओं का सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने होना चाहिए। विदेशी कंपनियों का अपने हितों के लिए सरकारों पर दबाव बनाना असामान्य नहीं है। वैश्विक भुगतान कंपनियां चाहती हैं कि भुगतान बाजार में प्रतिस्पर्धा के नियम उनके अनुकूल हों और घरेलू प्रणालियों पर लगाए गए संरक्षणात्मक प्रावधान धीरे–धीरे कम हों।

यह भी सच है कि यूपीआई ने भारत में भुगतान के क्षेत्र में ऐसा मॉडल खड़ा किया है जिसमें उपयोगकर्ता को लगभग शून्य लागत पर त्वरित भुगतान की सुविधा मिली। इस व्यवस्था ने पारंपरिक कार्ड नेटवर्क और विदेशी भुगतान कंपनियों के व्यावसायिक मॉडल को चुनौती दी है।

24 की जीत से 27 की जंग तक

—स्वदेश कुमार—

लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में एक अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिला था, जहाँ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन (इंडिया ब्लॉक) ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए को जोरदार झटका दिया था। 2014 से चल रहे मोदी के जादू को सपा ने 2024 में प्रदेश में लगभग धराशायी कर दिया था। राज्य की कुल 80 लोकसभा सीटों में से इस विपक्षी गठबंधन ने मिलकर कुल 43 सीटें हासिल कीं। इस शानदार प्रदर्शन ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। हालांकि प्रदेश की राजनीति और योगी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में सपा की स्थिति बेहद मजबूत हो गई। भाजपा करीब ढाई सौ पर सिमट गई। भाजपा गठबंधन वाले एनडीए को मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए जेडीयू के साथ टीडीपी की बैसाखी का सहारा लेना पड़ गया। यह और बात रही कि मोदी सरकार के तेवरों में कोई कमी नहीं आई। उसने विपक्ष के हो–हल्ले के बावजूद कई अहम फैसले लिए। इसका प्रभाव यूपी में भी दिखाई दिया, लेकिन इसके उलट समाजवादी पार्टी के सांसद अपनी लोकप्रियता खोते गए। दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में समाजवादी पार्टी सत्ता से दूर रही तो इसका खामियाजा उसे जनता की नाराजगी के रूप में भुगतना पड़ा। सपा के सांसदों और विधायकों पर काम नहीं करने का ठप्पा लग गया, जिसका खामियाजा पार्टी को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है।

दरअसल, चुनाव जीतने के बाद जिस तरह की सक्रियता किसी जनप्रतिनिधि से अपेक्षित होती है, वह सपा के अधिकांश सांसदों में नदारद दिखी। संसद सत्रों में मौजूदगी से लेकर अपने संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों की पैरवी तक, कई मोर्चों पर सपा सांसदों का प्रदर्शन कमजोर रहा। जनता के बीच यह धारणा मजबूत होती गई कि जीत के बाद ये नेता दिल्ली और लखनऊ की सियासी उठापटक में उलझकर अपने मतदाताओं से दूर हो गए। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर स्थानीय स्तर पर आवाज उठाने में सांसदों की निष्क्रियता ने उस जनादेश को कमजोर करना शुरू कर दिया, जो कभी मोदी लहर के खिलाफ एक मजबूत संदेश माना गया था। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम पहलू यह है कि जिस पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे अखिलेश यादव ने 2024 में भाजपा को झटका दिया था, वह गठजोड़ अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। कई इलाकों में स्थानीय स्तर पर यह शिकायत आम हो चुकी है कि टिकट बंटवारे और संगठन में जिस समावेशी भागीदारी का वादा किया गया था, वह चुनाव जीतने के बाद व्यवहार में उतनी दिखाई नहीं दी। गैर–यादव पिछड़ी जातियों और कुछ दलित समूहों के बीच यह भावना घर करती जा रही है कि सत्ता और संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर अब भी परंपरागत नेतृत्व ही हावी है। यह असंतोष अगर संगठित रूप ले लेता है, तो 2027 में सपा के लिए यह भारी पड़ सकता है, क्योंकि यही सामाजिक समीकरण उसकी जीत का आधार बने थे।

इन सबके बीच सबसे बड़ी परीक्षा खुद अखिलेश यादव की है। 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी उनका दीर्घकालिक लक्ष्य रहा है, लेकिन मौजूदा हालात बताते हैं कि यह राह आसान नहीं होगी। उन्हें न सिर्फ अपने सांसदों और विधायकों की निष्क्रियता पर लगाम लगानी होगी, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर पर फिर से सक्रिय करना होगा। जबकि उनके पास समय काफी कम बचा है। अखिलेश को जनता के बीच यह भरोसा फिर से कायम करना होगा कि सपा केवल चुनाव जीतने के लिए वादे नहीं करती, बल्कि सत्ता में आने के बाद भी जनता के साथ खड़ी रहती है। इसके लिए पार्टी को अपने सांसदों की जवाबदेही तय करनी होगी, संगठन में नई ऊर्जा भरनी होगी और पीडीए फॉर्मूले को केवल नारे तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना होगा। यदि पिछले–दलित पर कोई मुसलमान अत्याचार करे, तो उन्हें इसके खिलाफ भी आवाज उठाने से गुरेज नहीं करना चाहिए, जबकि जमीनी स्तर पर ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

हालांकि, अभी विधानसभा चुनाव में छहः माह का समय शेष है, और भारतीय राजनीति में आखिरी के छहः महीनों को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान कई मुद्दे उभरते, कई समीकरण बदल सकते हैं। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएँ और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे अगर विपक्ष प्रभावी ढंग से उठा पाए, तो जनता का रुख फिर बदल सकता है। दूसरी ओर, भाजपा के सामने भी अपनी सरकार के खिलाफ बनी सत्ता विरोधी भावना (एंटी इनकंबेंसी) से निपटने की चुनौती होगी, खासकर उन इलाकों में जहाँ विकास कार्य अपेक्षा के अनुरूप नहीं हुए हैं। अखिलेश को इसको भुनाने के पूरे प्रयास करने होंगे।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत को यदि सपा 2027 के विधानसभा चुनाव तक बरकरार रखना चाहती है, तो उसे आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर ठोस जमीनी रणनीति पर काम करना होगा। महज गठबंधन के सहारे या पुराने समीकरणों पर भरोसा करके सत्ता तक पहुँचना अब पहले जितना आसान नहीं रह गया है। जनता की नाराजगी को समय रहते पहचानना और उसका समाधान निकालना ही अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के लिए आगे की राह तय करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सपा अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर कर पाएगी, या फिर योगी सरकार का सुव्यवस्थित प्रशासनिक और सियासी प्रबंधन एक बार फिर उत्तर प्रदेश की सत्ता की चाबी भाजपा के हाथों में सौंप देगा।

फूस के घर में सो रही वृद्धा को मार डाला, शव को चारपाई से नाले के पास खींच ले गया

फुलावती, मृतक

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन क्षेत्र में तेंदुए का खौफ अब जानलेवा हो गया है। बृहस्पतिवार देर रात बाजपुर बनकटी ग्राम पंचायत के सीतारामपुरवा नहर के किनारे तेंदुए ने फूस के कच्चे घर में सो रही 86 वर्षीय वृद्धा को मौत के घाट उतार दिया और शव को घर के पीछे नाले में खींच ले गया। मृतका की पहचान फूलवती पत्नी स्व. प्रभु निवासी सीतारामपुरवा, नहर बाजार, बाजपुर बनकटी के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार वृद्धा रात में अपने फूस के कच्चे घर में अकेली सो रही थीं। घर का दरवाजा नहीं था, सिर्फ टाट पड़ा था। इसी दौरान तेंदुआ घर में घुस गया और वृद्धा पर हमला कर दिया। चीख सुनकर जब तक परिजन और पड़ोसी पहुंचे, तेंदुआ वृद्धा को घसीटकर घर के पीछे नाले में ले जा चुका था।

सुबह ग्रामीणों ने नाले में वृद्धा का शव देखा तो गांव में चीख—पुकार मच गई। सूचना पर कतर्नियाघाट रेंज की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक वृद्ध महिला की पांच बेटियां सुनीता, महारानियाँ, रमावती, महारानी जिनकी शादी हो चुकी है, इसके अलावा एक बेटा है सोहन जिसकी शादी नही हुई है वह माँ के साथ रहता है लेकिन अभी वह बाहर मजदूरी करने गया है। एक हफ्ते में तीसरी घटनाः ग्रामीणों का कहना है कि सीतारामपुरवा, चफरिया और नहर बाजार इलाके में पिछले एक हफ्ते से तेंदुए की लगातार चहलकदमी देखी जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाने, गश्त बढ़ाने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। घटना रेंज सुजौली की है। रेन्जर नीरज श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का दौरा किया और कहा हर संभव मदद दिया जाएगा शव को पोस्टमार्टम के लिए सुजौली थाना प्रभारी गोविंद वर्मा ने भेज दिया है। कल इसी जगह तेंदुए ने एक बकरी को निवाला बनाया था लेकिन मौके पर कोई भी वन कर्मी नही पहुचा था, अगर समय से वन विभाग एक्टिव हो जाता तो सायद महिला की जान न जाती।

सपा ने बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का लिया संकल्प

संवाददाता—बहराइच। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार दोपहर एक बजे फ्रंटल संगठनों और प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्षों व पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों से गांवों और मोहल्लों में बूथ स्तर पर सक्रिय रहने को कहा गया। साथ ही जनता की समस्याओं को जानकर उनके समाधान के लिए आवाज उठाने पर जोर दिया गया। मतदाता सूची को दुरुस्त रखने और बूथ प्रबंधन को मजबूत करने पर भी बात हुई। पदाधिकारियों ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने जिले की सातों विधानसभा सीटों पर पार्टी की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने की शपथ ली। बैठक में जिला उपाध्यक्ष जफर उल्ला खां 'बंटी', लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष नंदेश्वर यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अफशाल शानू, छात्र सभा जिलाध्यक्ष रविंद्र मौर्या, यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष मयंक मिश्रा, महिला सभा जिलाध्यक्ष मनु देवी, व्यापार सभा जिलाध्यक्ष मोहित माहेश्वरी, बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी जिलाध्यक्ष पेशकार राव, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष दिनेश लोधी, अल्पसंख्यक सभा जिलाध्यक्ष शेख रियाजुद्दीन, अनुसूचित प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष संत कुमार पासी और शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र मौर्या मौजूद रहे।

युवक की मौत, कमरे में मिला शव

संवाददाता—देवरिया। खुखुंदू कस्बे में शुक्रवार सुबह एक युवक की मौत हो गई। परिवार के लोग सुबह करीब 11 बजे कमरे में पहुंचे तो मनोज कुमार पटेल (31) का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। परिजनों के मुताबिक, मनोज गुरुवार रात नशे की हालत में घर आया था। इस दौरान परिवार के लोगों से उसका झगड़ा हुआ, जिसके बाद वह अपने कमरे में चला गया। शुक्रवार को काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजनों ने उसे देखने का प्रयास किया। मां फूलपती देवी के कमरे से कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा खुलवाया गया। अंदर मनोज की हालत देखकर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने बताया कि मनोज के शरीर पर चोट के निशान थे। उनका कहना है कि वह रात में कहीं से मारपीट के बाद घर आया था। पुलिस इन परिस्थितियों की भी जांच कर रही है। चोटें कैसे आईं और मौत की वजह क्या रही, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो सकेगा। मनोज तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। परिजनों के अनुसार, शराब की लत के कारण उसकी शादी नहीं हुई थी। घटना के बाद पिता दुर्गा पटेल, मां फूलपती देवी, भाई बिजेंद्र और अंकित तथा बहन गुड़िया और अंजलि का रो—रोकर बुरा हाल है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सांसद ने किया 15 किलोवाट सोलर प्लान्ट का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बहराइच। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन पर जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड द्वारा भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की सीएसआर मद से एवं भारत उदय के सहयोग से नानपारा तहसील परिसर तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बभनी रिसिया में स्थापित 15 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट का उद्घाटन किया।

सांसद ने कहा कि सौर ऊर्जा स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत है। सरकारी संस्थानों में सोलर प्लांट की स्थापना से विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने, ऊर्जा की बचत करने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी। नानपारा तहसील परिसर में स्थापित सोलर प्लांट से तहसील की विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिलेगा, जबकि राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बभनी रिसिया में स्थापित संयंत्र से विद्यार्थियों एवं विद्यालय की दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने इस जनहितकारी कार्य के लिए बीपीसीएल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधायक रामनिवास वर्मा स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी, भारत उदय के अध्यक्ष पंकज, एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूपीआई शुल्क के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता—देवरिया। यूपीआई से जुड़े संभावित शुल्क के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार दोपहर दो बजे प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' के नेतृत्व में कार्यकर्ता टाउन हॉल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के आवास की ओर रवाना हुए। उनके हाथों में गिफ्ट भी थे, जिन्हें वे सरकार तक पहुंचाना चाहते थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को टाउन हॉल के मुख्य गेट पर पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक हुई। सूचना मिलने पर सीओ सिटी संजय रेड्डी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं को आगे जाने से रोकने को लेकर पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे किसी टकराव के लिए नहीं आए थे, बल्कि व्यापारी और उपभोक्ताओं के हितों से जुड़े मुद्दे सरकार तक पहुंचाना चाहते थे। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि छोटे दुकानदार और मध्यम वर्ग पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार डिजिटल लेन—देन से जुड़े किसी भी प्रस्तावित शुल्क को लेकर व्यापारियों और आम जनता की चिंताओं को स्पष्ट करे। काफी देर की बातचीत के बाद एडीएम प्रशासन प्रेमनारायण सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लाए गिफ्ट स्वीकार किए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन गिफ्ट्स को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, धर्मेंद्र सिंह, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद अहमद और अरविंद शाही समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे

मानदेय बढ़ाने समेत कई मांगों को लेकर आशा कार्यकत्रियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को गांव—गांव व घर—घर तक पहुंचाने वाली आशा कार्यकर्त्रियों ने मानदेय बढ़ाने व राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर आवाज बुलंद की। जिलाध्यक्ष जमीलननिशा के नेतृत्व में आशाओं ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन डीएम को सौंपा। डीएम ने आशा संगिनियों की मांगों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष जमीलन निशा ने कहा कि करीब 20 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी निभाने के बावजूद उनकी प्रोत्साहन राशि में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। महंगाई के बीच मौजूदा राशि से परिवार का भरण—पोषण व बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है। गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, जच्चा—बच्चा की देखभाल, टीकाकरण व विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को जन—जन तक

पहुंचाने में आशाओं की अहम भूमिका है। कोरोना महामारी के दौरान भी उन्होंने जोखिम उठाकर सेवाएं दीं। आशा कार्यकर्त्रियों ने उन्हें और आशा संगिनी को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने तथा प्रोत्साहन राशि के बजाय 21 हजार रुपये निश्चित मानदेय देने की मांग की। इसके साथ दुर्घटना बीमा की राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने व बीमा प्रमाणपत्र देने, मृत्यु के बाद आश्रित को नौकरी देने, आभा कार्ड व सी—वैक की धनराशि का भुगतान कराने व 5जी मोबाइल उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान सरिता, उषा, रीता, सरोज, सीमा, संगीता, मंजू, रीना, अंजली, पुनीता, सिलोचना समेत बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्त्रियां मौजूद रहीं।

आशा कार्यकर्त्रियों ने राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, 21 हजार रुपये निश्चित मानदेय, दुर्घटना बीमा राशि बढ़ाने, बीमा प्रमाणपत्र देने, मृत्यु के बाद आश्रित को नौकरी देने, आभा कार्ड और सी—वैक की धनराशि का भुगतान कराने, तथा 5जी मोबाइल उपलब्ध कराने की मांग की।

डीएम ने गांव की चौपाल में योजनाओं की हकीकत देखी, अफसरों के सामने ग्रामीणों से लिया सीधा फीडबैक

संवाददाता—बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने विकास खंड उतरौला की ग्राम पंचायत बरमभारी में शुक्रवार दोपहर 2 बजे ग्राम चौपाल लगाई। उन्होंने सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी। डीएम ने सिर्फ कागजी रिपोर्ट पर भरोसा करने के बजाय ग्रामीणों के बीच बैठकर सीधा फीडबैक लिया और योजनाओं को लागू करने का सत्यापन किया। ग्राम पंचायत सचिवालय में बने नए डिजिटल लाइब्रेरी का फीता काटकर डीएम ने शुभारंभ किया। उन्होंने वहां पढ़ाई कर रहे छात्र—छात्राओं से बात की। डीएम ने उनकी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उपलब्ध पढ़ाई के साधनों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी पढ़ाई का एक अच्छा जरिया बन सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव और आसपास के छात्रों को लाइब्रेरी से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। इसके बाद ग्राम चौपाल में डीएम ने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना समेत कई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की स्थिति पूछी। उन्होंने यह जानने की कोशिश की कि सरकारी योजनाओं का फायदा सही लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। बिजली सप्लाई को लेकर भी ग्रामीणों से सीधा फीडबैक लिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं की

स्थिति, आशा कार्यकर्ता के नियमित दौरे और गर्भवती महिलाओं, बच्चों व अन्य लाभार्थियों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली गई।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई, उनकी हाजिरी, पढ़ाई की गुणवत्ता और मिड—डे—मील की स्थिति जानी। आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं और बच्चों व लाभार्थियों को मिलने वाले पोषाहार की भी जानकारी ली। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्राम पंचायत निधि से कराए गए विकास कार्य भी डीएम की जांच के दायरे में रहे। रिकॉर्ड में दर्ज प्रगति के साथ ग्रामीणों से बात करके कार्यों का सत्यापन किया गया। डीएम ने ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पक्की करने के निर्देश दिए। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें भी जिलाधिकारी के सामने रखीं। डीएम ने गंभीरतापूर्वक शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि ग्राम चौपाल का मकसद सिर्फ सरकारी योजनाओं की समीक्षा करना नहीं, बल्कि ग्रामीणों से सीधे संवाद के जरिए यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर सभी योजनाओं से शत—प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के जरिए योजनाओं और सरकारी सेवाओं को पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी—कर्मचारी, ग्राम स्तरीय कार्मिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

चिप से लेकर शिप निर्माण में आगे बढ़ रहा भारत -पंकज चौधरी

संवाददाता—महराजगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश का परिदृश्य पूरी तरह से बदल चुका है। भारत आज आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ाते हुए चिप से लेकर शिप तक के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वह शुक्रवार को अपने आवास पर सुनवाई कर रहे थे। हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए सेमीकॉन इंडिया—2026 का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत ने डिजाइन, निर्माण व पैकेजिंग का पूरा इकोसिस्टम सफलतापूर्वक विकसित कर लिया है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों के दौरान देश में कई बड़े नीतिगत और ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। इनमें जीएसटी लागू करने, डिजिटल अर्थव्यवस्था को विस्तार देने, अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने, तीन तलाक के खिलाफ सख्त कानून बनाने और सैकड़ों पुराने व अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त करने जैसे ऐतिहासिक कदम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मैन्युफैक्चरिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, जिसके चलते आज देश में डिजिटल लेन—देन करीब 100 गुना तक बढ़ चुका है।

इससे पूर्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को महराजगंज स्थित अपने आवास के कैंप कार्यालय पर जनसुनवाई की। जिले के दूर—दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने सड़क, बिजली, राजस्व, भूमि विवाद, पुलिस, पेंशन और पीएम आवास से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं। केंद्रीय मंत्री ने मौके से ही संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। हिदायत दी कि फरियादियों की शिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध तरीके से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, फरियादी मौजूद रहे।

सरलता में संतत्व, भक्ति में तपस्या की मिसाल थे स्वामी हर्याचार्य

18वीं पुण्यतिथि पर हरि गोपाल धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, संत-महंतों व श्रद्धालुओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। रामनगरी की संत परंपरा त्याग, तपस्या, भक्ति और लोकसेवा की उस अक्षुण्ण धारा का नाम है, जिसने युगों से समाज को अध्यात्म और सदाचार का मार्ग दिखाया है। इसी गौरवशाली परंपरा में जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य महाराज का व्यक्तित्व संतत्व, सरलता और साधना की अनुपम मिसाल रहा। भगवत भजन को जीवन का आधार बनाकर उन्होंने रामानंद संप्रदाय की आध्यात्मिक चेतना को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी तपस्थली हरि गोपाल धाम पीठ आज भी उनकी साधना और संत जीवन की दिव्य स्मृतियों को संजोए हुए है। हरि गोपाल धाम पीठ में शुक्रवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य महाराज की 18वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और भावुक स्मृतियों के बीच मनाई गई। उनके शिष्य जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य महाराज के संयोजन में आयोजित पुण्यतिथि समारोह में रामनगरी के संत—महंतों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। संतों और श्रद्धालुओं ने स्वामी हर्याचार्य महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य महाराज ने कहा कि गुरुदेव भगवान सरलता और संतत्व की प्रतिमूर्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन भजन, साधना, सेवा और सनातन धर्म के प्रचार—प्रसार को समर्पित रहा। वह अपने शिष्यों को सदैव सेवा, संयम और धर्म के पथ पर चलने की प्रेरणा देते थे। उनके व्यक्तित्व में साधना की गहराई के साथ सहजता और विनम्रता का अद्भुत समन्वय था। उनसे कहा कि संत का शरीर भले ही पंचतत्व में विलीन हो जाता है, किंतु उसके विचार, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना समाज में चिरकाल तक प्रकाश फैलाते रहते हैं। स्वामी हर्याचार्य महाराज की पुण्य स्मृतियां आज भी संत समाज और शिष्य परिकर को धर्म, सेवा तथा साधना के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं। समारोह में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नारायण दास, दशरथ महल के महंत बिंदुगाद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, महंत अवधेश दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, मंगल भवन पीठाधीश्वर कृपालु रामभूषण दास, महामंडलेश्वर आशुतोष दास, डॉ. महेश दास और राजेश पहलवान सहित अनेक संत—महंत उपस्थित रहे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह, अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, गोसाईंगंज विधायक अभय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक सिंह और पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय पवन समेत बड़ी संख्या में संतों, महंतों और श्रद्धालुओं ने स्वामी हर्याचार्य महाराज को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरयू नदी में बहकर लापता बालक का नौ किमी दूर उतराता मिला शव

संवाददाता—बहराइच। हुजूरपुर इलाके के नेवासी के मजरे चांटी गांव के बाहर बह रही सरयू नदी पर कजली तीज के दिन सोमवार सुबह एक बालक गहराई में चले जाने पर तेज प्रवाह में बहकर लापता हो गया था। एनडीआरएफ टीम ने तीन दिन रेस्क्यू अभियान चलाए जाने के बाद नदी के तेज प्रवाह के मद्देनजर मुहिम बंद कर दी थी। पांचवे दिन शुक्रवार को नौ किमी दूर लखवापुर बहरैचा में बालक का शव उतराता मिला है। हुजूरपुर थाने के नेवासी के मजरे चांटी गांव के बाहर बह रही सरयू नदी में चांटी गांव निवासी शिव प्रताप सिंह उर्फ अंशु (11) पुत्र सर्वेश कुमार सिंह सोमवार को अपनी दादी के साथ नदी में नहाने व जलाभिषेक को जल लेने आया था। वह गहराई में चले जाने पर भंवर में फंस कर बह कर लापता हो गया था। उसे डूबता देख लोगों ने जब शोर मचाया था। शुक्रवार सुबह यहां से नौ किमी दूर इसी थाने के लखवापुर बहरैचा में बालक का शव उतराता मिला। सूचना पर एसएचओ विपिन प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

किसानों ने गन्ना मूल्य 600 रुपये और कर्ज माफी की उठाई मांग

संवाददाता—बहराइच। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की जिला इकाई की ओर से शुक्रवार को किसान समस्याओं को लेकर मासिक पंचायत आयोजित की गई। इसके बाद जिलाध्यक्ष प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। किसान नेताओं ने गन्ना पेराई सत्र 1996—97 से 2025—26 तक 14 दिन से अधिक विलंबित भुगतान पर 15 प्रतिशत ब्याज दिलाने की मांग की। आगामी पेराई सत्र से पहले गन्ने का लाभकारी मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने तथा किसानों का कृषि कर्ज माफ करने की मांग भी रखी। पर्याप्त सरकारी क्रय केंद्र खोलने और किसानों की उपज की समय से खरीद सुनिश्चित कराने की मांग की गई। पयागपुर नवीन गल्ला मंडी में व्यापारियों द्वारा मंडी के बजाय अन्य स्थानों पर खरीदारी करने और नीलामी चबूतरों पर सब्जी की दुकानें लगने का आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की गई। खंडरवा मौजा खुनौरा में खाद के गड्ढे पर अवैध कब्जे की दोबारा जांच कर भूमि कब्जामुक्त कराने, केवलपुर में न्यायालय के आदेश का अनुपालन कराने तथा पाठकपुरा गांव में सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग रखी।

काम के लिए निकले अधेड़ का तालाब में मिला शव

संवाददाता—गोण्डा। तुर्काडीहा गांव में एक 58 वर्षीय व्यक्ति का शव तालाब में मिला है। मृतक की पहचान दया शंकर मिश्र के रूप में हुई है। वे गुरुवार रात शौच के लिए घर से निकले थे।

शुक्रवार शाम करीब 5 बजे ग्रामीणों ने उनका शव शोलिकाहा तालाब में तैरता हुआ देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि दया शंकर मिश्र गुरुवार रात करीब 11 बजे शौच जाने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वे काफी देर तक नहीं लौटे, तो घरवालों को लगा कि वे किसी काम से रुक गए होंगे या गांव में ही कहीं चले गए होंगे। सुबह जब परिवार के लोग जागे और दया शंकर को बिस्तर पर नहीं पाया, तो उन्हें चिंता हुई।

परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन रात भर उनका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार शाम करीब 5 बजे कुछ ग्रामीण गांव के बाहर शोलिकाहा तालाब की ओर गए। वहां उन्होंने पानी में एक शव तैरता हुआ देखा।

पास जाकर देखने पर ग्रामीणों ने शव की पहचान दया शंकर मिश्र के रूप में की। उन्होंने तुरंत परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों का मानना है कि रात के अंधेरे में तालाब के किनारे जाते समय उनका पैर फिसल गया होगा। इससे वे गहरे पानी में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली देहात थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला डूबने का लग रहा है। हालांकि, मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी। इस घटना के बाद से परिवार में दुख का माहौल है।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को हिन्दी साहित्य भूषण सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पिछले 5 दशक से साहित्य साधना में समर्पित 8 पुस्तकों के रचयिता और दुमदार दोहों के जनक 74 वर्षीय डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को उनके साहित्यिक योगदान के लिये साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा राजस्थान में हिन्दी साहित्य भूषण से सम्मानित किया गया।

साहित्य मण्डल राजस्थान के श्रीनाथद्वारा में आयोजित तीन दिवसीय साहित्यिक संगोष्ठी, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और सारस्वत सम्मान समारोह में डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को संस्था के प्रधानमंत्री श्यामदेवपुरा ने सम्मानित किया।

कवि एवं चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने डॉ. जगमग को सम्मानित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि उनकी कृति 'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, 'बाल सुमन' बाल चेतना, नन्हें मुन्नों का संसार आदि कृतियों के रचयिता का सम्मान हम सभी साहित्यकारों के लिये गौरव का क्षण है। डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' को हिन्दी साहित्य भूषण से सम्मानित किये जाने पर डॉ. त्रिभुवन मिश्र, विनोद उपाध्याय, श्याम प्रकाश शर्मा, बटुकनाथ शुक्ल, सलीम बस्तवी, दीपक सिंह प्रेमी, अर्चना श्रीवास्तव, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक', अफजल हुसेन अफजल, अनवार पारसा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

एमजीयूजी में छात्रों ने लिया गया नशे से दूर रहने का संकल्प

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान की शुक्रवार को शुरूआत हुई। इस 100 सप्ताह कार्यक्रम के पहले दिन नशामुक्ति शपथ, हस्ताक्षर अभियान एवं नुक्कड़ नाटक किया गया। कार्यक्रम में मौजूद रासेयो स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। साथ ही नशामुक्त युवा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इसी क्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के कारण व्यक्ति, परिवार एवं समाज पर पड़ने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम समन्वयक डॉ. धनंजय पांडेय ने कहा कि युवा देश की महत्वपूर्ण शक्ति हैं।

युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाएंगे, तो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान होगा।विश्वविद्यालय के नशामुक्ति अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज और विकसित भारत की सशक्त नींव हैं। कार्यक्रम में अनिल पटेल, रवि निषाद एवं डॉ. अमित उपाध्याय की सक्रिय सहभागिता रही। इसमें करीब 300 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आशीर्वाद के दीये से जगमगाए शिक्षण संस्थान, शिक्षकों–छात्रों ने लिया सेवा का संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवा संकल्प अभियान के तहत शिक्षण संस्थानों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर सेवा, संस्कार और सामाजिक दायित्व का संदेश दिया गया। शहर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के सभागार तथा जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्र–छात्राओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया। राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती के सभागार में जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक उदय भान वर्मा, अनूप कुशवाहा और प्रधानाचार्य डॉ. विजय प्रकाश वर्मा की उपस्थिति में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही सभागार रोशनी से जगमगा उठा। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने जरूरतमंदों की सहायता करने, समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने तथा सेवा की भावना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार में प्रधानाचार्य कमलेश कुमार द्विवेदी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से दीप जलाकर सेवा, संस्कार और मानवीय संवेदना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण रहा।

वक्ताओं ने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संस्कारों की पहचान है। युवा पीढ़ी जब सेवा, सहयोग और सकारात्मक सोच को अपने जीवन में अपनाती है तो सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार होती है।

राजकीय इंटर कॉलेज में प्रभाकर रंजन ओझा, जीतेन्द्र कुमार, चंद्रभान पांडेय, अजय प्रकाश श्रीवास्तव, अमित कुमार यादव, हीरालाल, हनुमान प्रसाद, रवि प्रताप सिंह, राजेश कुमार, मृत्युंजय कुमार, विप्लव कुमार, बलवंत सिंह पटेल, प्रज्ञा शुक्ला, राहुल तिलौलिया तथा जनता इंटर कॉलेज में सूर्य प्रकाश मौर्य, परमात्मा प्रसाद चौधरी, राम तेज पाठक, विकास, संजय, रंजय, ऊषा, सुनीता सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

2027 में पूरे पूर्वांचल में सपा का खाता नहीं खुलने देंगे –ओम प्रकाश

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा डूबती नैया में सवार है। अकबरपुर के टांडा रोड स्थित कटरिया बाग में भागीदारी पार्टी की ओर से डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की जयंती पर आयोजित जन अधिकार महारैली में उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में अंबेडकर नगर ही नहीं, पूरे पूर्वांचल में सपा का खाता नहीं खुलने देंगे। राजभर ने कहा कि भागीदारी पार्टी के साथ आने से पूर्वांचल में एनडीए गठबंधन मजबूत होगा। उन्होंने डॉ. रत्नप्पा कुम्हार को सर्व समाज का महापुरुष बताते हुए कहा कि उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ संविधान निर्माण में काम किया। उन्होंने डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की प्रतिमा बाबा साहब के साथ स्थापित किए जाने की बात कही। राजभर ने दावा किया कि अंबेडकर नगर में प्रजापति समाज के करीब दो लाख वोट हैं और अब यह समाज एनडीए गठबंधन के साथ जुड़ने जा रहा है। उन्होंने सपा पर इस समाज का वोट लेने के बाद उत्पीड़न करने का आरोप भी लगाया। भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद्र प्रजापति ने कहा कि वंचित, शोषित, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और सर्व समाज को सामाजिक न्याय व समान भागीदारी दिलाना पार्टी की प्राथमिकता है।

कपड़ा कारोबारी के घर भीषण आग 50 लाख के नुकसान का दावा

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के बसडीला गांव में शुक्रवार अपराह्न थोक कपड़ा कारोबारी पंकज शुक्ला उर्फ राजू के घर में भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। कारोबारी ने आग में करीब 50 लाख रुपये का कपड़ा जलकर राख होने का दावा किया है। प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह विद्युत शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे घर से अचानक धुआं उठता देखकर आसपास के लोगों को आग लगने की जानकारी हुई। देखते ही देखते आग तेज हो गई। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दमकल को सूचना दी। दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। पंकज शुक्ला घर से ही कपड़े का कारोबार करते हैं। उनकी साईं ट्रेडर्स और एए ट्रेडर्स नाम से दो फर्म हैं। वह रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करते हैं। आग से बड़ी मात्रा में कपड़ा जल गया। आग की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए और आग बुझाने में मदद की। आग की घटना से परिवार के लोग सदमे में हैं।

आग लगने की जानकारी मिलने पर विधायक इंजीनियर सरवन निषाद और तहसीलदार संजय सिंह भी मौके पर पहुंचे। दोनों ने कारोबारी से घटना की जानकारी ली और नुकसान पर परिवार को ढांढस बंधाया।

शिविर में 22 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता–गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई के तत्वावधान में गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड सेंटर, गोरखनाथ में रक्तदान शिविर का आयोजन महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता के निर्देशन में किया गया।

शिविर में 22 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दिया। ब्लड सेंटर प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए रक्तदान को महादान बताया। शिविर को सफल बनाने में ब्लड सेंटर के टेक्नीशियन एवं अन्य कर्मचारीगण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीपी टैक्स के विरोध में व्यापारियों का धरना, टैक्स निर्धारण के आधार और आरसी से जुड़े दस्तावेज देने की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। सीपी टैक्स की वसूली और व्यापारियों के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी किए जाने के विरोध में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिला पंचायत कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन शाम 4 बजे तक चला। व्यापारियों ने टैक्स की वैधता, निर्धारण के आधार और वसूली प्रक्रिया स्पष्ट करने की मांग की। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि जिले के कई व्यापारियों को सीपी टैक्स को लेकर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के मुताबिक, उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है कि टैक्स किस आधार और किन नियमों के तहत लगाया गया है। नोटिस, आपत्ति दर्ज कराने और सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर भी व्यापारियों में भ्रम है। संगठन ने बताया कि कुछ मामलों में आरसी जारी कर उसे वसूली के लिए तहसील प्रशासन को भेजा गया है।

व्यापार मंडल ने जिला पंचायत प्रशासन से टैक्स निर्धारण और आरसी से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत करने की मांग की। व्यापार मंडल ने सूचना का अधिकार कानून, 2005 की धारा 6(1) के तहत जिला पंचायत के राज्य जन सूचना अधिकारी से 14 बिंदुओं पर जानकारी और प्रमाणित दस्तावेज मांगे हैं। इनमें जिले में सीपी टैक्स लागू करने से संबंधित मूल अधिसूचना या सरकारी आदेश, जिला पंचायत का प्रस्ताव, संबंधित अधिकारी की मंजूरी, मौजूदा टैक्स दरें और टैक्स निर्धारण व वसूली में लागू कानून, नियम और उपनियमों की प्रतियां शामिल हैं। इसके अलावा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में टैक्स के तहत तय कुल मांग, वसूली और बकाया रकम का विवरण भी मांगा गया है। व्यापारियों की ओर से दर्ज आपत्तियों, उन पर हुई सुनवाई और जारी आदेशों से जुड़े दस्तावेजों के साथ टैक्स निर्धारण की नोटशीट और संबंधित अधिकारी की मंजूरी की प्रमाणित प्रतियां देने का अनुरोध किया गया है।

संगठन महामंत्री श्रवण कुमार अग्रहरी ने कहा कि व्यापारियों को कर देने से आपत्ति नहीं है, लेकिन कर निर्धारण किस आधार और नियम के तहत किया गया है, इसकी स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। जिन व्यापारियों को अपना पक्ष रखने या आपत्ति दर्ज कराने का अवसर नहीं मिला, उनकी नियमानुसार सुनवाई कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल शांतिपूर्ण तरीके से और नियमों के तहत समस्याओं का समाधान चाहता है। प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जैन ने कहा कि सीपी टैक्स को लेकर व्यापारियों में कई तरह की शंकाएं हैं। विवादित या अत्यधिक कर निर्धारण वाले मामलों की निष्पक्ष समीक्षा की जानी चाहिए। जिन व्यापारियों ने कर निर्धारण या आरसी के खिलाफ आपत्ति अथवा अपील की है, उनके मामलों में नियमानुसार निर्णय होने तक वसूली के संबंध में उचित फैसला लिया जाए। धरना–प्रदर्शन में प्रदेश मंत्री पवन जायसवाल, जिला महामंत्री विनीत चड्ढा, जिला कोषाध्यक्ष हरिलाल गुप्ता, नरेंद्र कुमार, राहुल कुमार, सुनील, सुरेंद्र त्रिपाठी, रामनरेश, शिवदास, ओमप्रकाश, पुनीत, रामबृक्ष, अमरनाथ समेत तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। । सहजनवा क्षेत्र में शुक्रवार को बारिश के दौरान अलग–अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई, जबकि एक युवक झुलस गया। पाली गांव में खेत में पानी चला रहे 50 वर्षीय संतोष सिंह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हड़हा सोनबरसा गांव में घर के पास पशुओं के लिए चारा काट रहा युवक भी बिजली की चपेट में आकर झुलस गया।

यूपीआई पर शुल्क के विरोध में कांग्रेस ने मंत्री राजभर को सौंपी पूजन सामग्री, जताया विरोध

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने यूपीआई लेन–देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर के विरोध में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनपद के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर को प्रधानमंत्री की सद्बुद्धि के लिए प्रतीकात्मक रूप से पूजन सामग्री भेंट की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के बाद अब यूपीआई लेन–देन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव व्यापारियों और आम लोगों के लिए चिंता का विषय है। उनका कहना था कि इससे छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और डिजिटल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। कार्यकर्ताओं ने सरकार से प्रस्तावित शुल्क पर पुनर्विचार करने और यूपीआई भुगतान व्यवस्था को पहले की तरह सरल, सुलभ एवं सुगम बनाए रखने की मांग की। प्रदर्शन में विशाल वर्मा, राजबहादुर मिश्रा, ज्ञानेंद्र पाठक, कुलदीप उपाध्याय, मिसबाहुदीन, संजय यादव, दद्दू गुप्ता, लाल मुहम्मद, दीपांशु मौर्य, आशीष सोनकर, राजीव गुप्ता और अशोक सत्यार्थी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्राओं ने शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा पर चर्चा की

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकास क्षेत्र में 18 सितंबर शुक्रवार को सुभद्र नाथ कन्या महाविद्यालय, सेवरा भरौली में पीडीए छात्र–नौजवान जागरूकता अभियान कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष विष्णु उमर ने की। मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्रबंधक और समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सागर पाठक रहे। उन्होंने छात्राओं की शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और उनके भविष्य से जुड़े कई विषयों पर बात की। सागर पाठक ने बताया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय छात्राओं और युवाओं के लिए कन्या विद्याधन, लैपटॉप वितरण और साइकिल वितरण जैसी योजनाएं चलाई गई थीं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 273/82
जयराम
बनाम
बलिकरन आदि

5/1/1 रामनाथ पुत्र सत्यनरायन 5/1/2 श्रीमती गायत्री देवी पत्नी मुनिराम निवासी ग्राम सोनौरा पोस्ट रसूलपुर तरेता तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 5/1/3 श्रीमती उपमा देवी पत्नी रामतेज निवासी ग्राम कैथवलिया पोस्ट टिनिच तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील हर्रैया जिला बस्ती
1/2/7 श्रीमती सिद्धमन्ता पत्नी अनिल कुमार निवासी ग्राम महोखवा पोस्ट बांसी परगना बांसी पूरव जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 19–09–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अपील सं0– 721/2026
अपील अन्तर्गत धारा 11 (1) जो0च0अधि0
दयाराम आदि
बनाम
मोहरा देवी आदि

1. सवारी देवी पत्नी मंहगू निवासिनी मौजा परसोनिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 18 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 24/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 जिला–सिद्धार्थनगर
सकरून्निशा
बनाम
मो0 असरार आदि

3. सहेरून्निशा पुत्री मो0 उमर पत्नी मो0 असरार साकिन भटेसर नानकार तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–11–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **17–11–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 17.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 382/2023
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
परमात्मा प्रसाद आदि
बनाम
परशुराम आदि

1. परशुराम पुत्र गौरी 2. सहदेव पुत्र गौरी 3. राजित पुत्र गौरी 4. भगवंत पुत्र बाले 5. श्रीमती शकुन्तला पत्नी हनुमन्त 6. जोगेन्द्र पुत्र हनुमन्त साकिन देईपार पोस्ट देईपार तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थ नगर

तारीख पेशी 25–09–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **25–09–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 16.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–250/2024
तिलकराम
बनाम
उषा आदि

1. उषा पत्नी सन्तराम साकिन आमाटिनिच तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. जंगबहादुर पुत्र जयराम साकिन बेतौहा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 3. शिव कुमार 4. राज कुमार पुत्रगण श्रीराम साकिन बलुआ तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 5. सन्त प्रकाश सिंह पुत्र छोटकन सिंह साकिन डिगर भोरया तप्पा शिवपुर तप्पा बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 6. रामहित पुत्र गंगादीन 7. अनिल कुमार पुत्र मंगरू साकिन आमाटिनिच तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 8. राम प्रकाश 9. जय प्रकाश 10. विजय प्रकाश पुत्रगण शिव प्रसाद साकिनान कैथोलिया तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 11. रामदीन 12. सुनील पुत्रगण दयाराम साकिनान बैरवा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीनियर डिवीजन) बस्ती जिला–बस्ती
सिविल सूट नंबर 409/2025
श्रीमती विंध्यवासिनी देवी
बनाम
मुकेश आदि

1. मुकेश उम्र लगभग 38 वर्ष 2. राकेश उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्रगण इन्द्रजीत निवासीगण ग्राम पिपरा, पोस्ट पगार, तप्पा बड़गो पगार, परगना महुली पश्चिम तहसील वा जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
3. श्रीमती सुमन उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी राजेंद्र दूबे निवासी ग्राम मोहनाखोर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील वा जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
4. रामप्रसाद उम्र लगभग 57 वर्ष पुत्र फागु 5. अलगू उम्र लगभग 57 वर्ष पुत्र घिन्नी 6. लालमन उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र रामराज 7. बृजलाल उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र संतराम सभी निवासीगण ग्राम पिपरा, पोस्ट पगार, तप्पा बड़गो पगार, परगना महुली पश्चिम तहसील वा जिला बस्ती 8. कृष्ण लाल उम्र लगभग 45 वर्ष 9. अवधेश कुमार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रगण राम निहाल निवासीगण ग्राम कांची तप्पा कपरी कहसो परगना बस्ती पूरब तहसील वा जिला बस्ती 10. हेमन्त कुमार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र जर्नादन 11. श्रीमती कमलावती उम्र लगभग 60 वर्ष पत्नी जनार्दन निवासीगण ग्राम कांची तप्पा कपरी महसो परगना बस्ती पूरव तहसील वा जिला बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 19–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
धारा 11 (1) सी0एच0 एक्ट
अदालत– श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला बस्ती
शिव विशाल सिंह
बनाम
शम्भूनाथ सिंह आदि
बावत मौजा कौलपुर तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. श्रीमती सरोज सिंह पत्नी शम्भूनाथ सिंह 3. विपिन प्रताप सिंह 4. अखिलेश प्रताप सिंह 5. अमरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्रगण अवधेश सिंह निवासीगण ग्राम कौलपुर तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com